भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 1937**

दिनांक 3 जुलाई, 2019 को उत्तर दिये जाने के लिए

मिर्च का आयात और उत्पादन

1937. एडवोकेट डीन कुरियाकोसः

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने यह ध्यान दिया है कि भारी आयात के कारण घरेलू उद्योग में मिर्च के मूल्य में गिरावट आ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार मिर्च पर आयात शुल्क बढ़ाने पर विचार करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष में मिर्च के आयात का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान मिर्च की वार्षिक खपत और उत्पादन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) काली मिर्च की घरेलू कीमतों में गिरावट मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में काली मिर्च के उच्च उत्पादन और आपूर्ति के कारण अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट तथा भारत में अन्य देशों से काली मिर्च के आयात के कारण आई है । काली मिर्च की कीमत में वर्ष 2017-18 से ही गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। वर्ष 2017 -18 के दौरान घरेलू बाजार में काली मिर्च की औसत कीमत 473.73 रूपये प्रति किलो थी जो घटकर वर्ष 2018-19 के दौरान 378.21 रूपये प्रति कि.ग्राम. हो गयी ।

(ख): सरकार ने व्यापार करारों के तहत कवर किए गए देशों के अलावा अन्य सभी देशों से काली मिर्च के आयात तथा अग्रिम प्राधिकार स्कीम के तहत मूल्य संवर्धन और पुनर्निर्यात निर्यात के लिए आयात पर वर्ष 2007 से 70% का शुल्क अधिरोपित किया। इसके अतिरिक्त, काली मिर्च के लिए न्यूनतम आयात कीमत के अधिरोपण ने काली मिर्च की कीमतों में तीव्र गिरावट को रोकने एवं आयात घटाने में सहायता की है। वर्ष 2018-19 में भारत में काली मिर्च का अनुमानित आयात वर्ष 2017-18 के 29650 मीट्रिक टन की तुलना में 24950 मीट्रिक टन था जो 15.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करता है।

(ग) : पिछले तीन वर्षों और मौजूदा वर्ष में काली मिर्च के आयात का विवरण नीचे दिया गया है;

वर्ष	मात्रा (एमटी)	मूल्य (लाख रू.)
2015-16	19,365	116,296
2016-17	20,265	111,590
2017-18	29650	109,084
2018-19 (अनुमान)	24,950	77,991

(अनुमान): अनुमान

स्रोत: डीजीसीआई एंड एस कोलकाता/ सीमा शुल्क से डीएलआई

(घ): पिछले तीन वर्षों और मौजूदा वर्ष के दौरान देश में काली मिर्च की वार्षिक खपत और उत्पादन का विवरण नीचे दिया गया है :

वर्ष	उत्पादन (एमटी)	घरेलू खपत (एमटी)
2015-16	73555	50000
2016-17	62,080	55000
2017-18	70,878	58000
2018-19 (*)	62144 * *	58000

(*) प्रोजेक्शन

स्रोत: उत्पादन: सुपारी और मसाला विकास निदेशालय , कालीकट, केरल।

उपभोग: अंतर्राष्ट्रीय काली मिर्च समुदाय, आईपीसी, जकार्ता

** केरल के सभी जिले और कर्नाटक के पांच जिले भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित थे, जिससे बागानों को क्षति हुई जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2018-19 के दौरान कम उत्पादन हुआ।